मिनजानिब : सुन्नी नौवजवान
9534124663

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

जिन्दगी अल्लाह की बन्दगी के लिए है। जिन्दगी के तीन हिस्से है बचपन, जवानी, बुढापा तीनो हिस्सो में सिर्फ अल्लाह ही का इबादत किया जाए। जिन्दगी में वक्त और सेहत से बढ़कर और कोई किमती चीज नहीं इसलिए अपनी किमती चीजों को अल्लाह के राह में खर्च करो। दुनिया में शैतान का कब्जा है और शैतान मुसलमान का दुश्मन है, शैतान से ईमान बचाकर और इस्लाम में पूरी तरह दाखिल होकर जिन्दगी जिओ। ईमान वालो के साथ रहो और गैर ईमान वाला चाहे वो अपना मां–बाप या करीबी रिस्तेदार ही क्यों न हो उनसे दूर रहो, जिन्दगी में हमेशा कुछ नेक काम के साथ बदलाव करता रहे।

1. अल्लाह की रजा के लिए हर काम खुलूस (तन–मन–धन) से करो।
2. रसुलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम से मुहबत का मतलब है सुन्नत को अपनाना इसलिए मोहब्बत के नियत से सुन्नत को अपनाओ।
3. औलिया के दरगाह जो आपके आस–पास हो वहां रोजाना जाकर तौबा करो और ईमान की सलामती की दुआ मांगो।
4. आपने रुतबे से बढकर दावा न करो– हर वक्त अज्ज व तवाजोअ में रहो।
5. जिस लियाकत का जो आदमी हो उस की वैसे ही इज्जत करो। हर एक का हक पहचानो।
6. जो राज कहने के काबिल न हों मुंह से हरगिज न निकालों
7. दोस्त की पहचान यह कि वक्ते मुसीबत काम आये।
8. जाहील और नादान आदमी की सोहबत से कनारा करो।
9. अकलमंद और दाना आदमी से दोस्ती करो।
10. नेक काम में जिस कद्र हो सके जल्द कोशिश करों।
11. जब तुम कोई बात कहो तो दलील के साथ कहों और झूठा दावा न करो।
12. जवानी के दिन बड़े खतरनाक हैं उन में नेकी करना मरदानगी है।
13. किसी शख्स से फुजूल बहस व मुबाहेसा मत करों ख्वाह दोस्त हों या दुशमन
14. ईमान वाले मां बाप को अपने सर पर गनीमत समझो। गैर ईमान वाले मां–बाप को अल्लाह व रसूल के लिए छोड़ दो।
15. उस्ताद की इज्जत बाप से जियादा करो कियोंकि वह तुम्हारी रूह की इस्लाह करते है।
16. आमदनी से ज्यादा कभी खर्च न करो।
17. किसी भी काम को करने से पहले अल्लाह से मदद जरूर मांगो।
18. अगर कोई शख्स मेहमान बन कर तुम्हारे घर आये तो उसकी खिदमत करो।
19. अपनी आंख, जबान और शर्मगाह को हर वक्त अपने काबू में रखो। नहीं तो

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड करे इस लिंक से
https://archive.org/details/@paigame_aulia_library
हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड TELEGRAM ग्रुप Join करके
https://t.me/Sunni_HindiLibrary

ईमान चला जाएगा।

20. मोमीन पड़ोसी को हरगिज तकलीफ न दो बल्कि अपनी तरह तसव्वुर करो।
21. अपना लिबास और बदन पाक और साफ रखों ताकि सेहत ओर इज्जत हासिल हों।
22. अपनी औलाद को इल्म व अदब सिखाओं कि दीन व दुनया की खुशियां मिले।
23. जब किसी मज्लिस में कोई बात कहना चाहों तो खूब गौर कर लों कि वहाँ वह बात किसी के खिलाफ न हों।
24. कोई बात ऐसी न करों कि अहले महफिल की नफरत किसी भी फरीक के खिलाफ हो।
25. हाकिम को लाजिम है। इन्साफ की बात कहें अगर चे किसी भी दोस्त या अपने जैसा मत समझो।
26. अहले मज्लिस में से हर एक को अपना हम मजहब, अपना दोस्त या अपने जैसा मत समझों
27. पेट भर कर खाना मत खाओ वरना अन्दर का शैतान ताकतवर होगा।
28. जिस बात को तुम अपने लिए बुरा समझते हों वह दूसरों के लिए भी पसंद न करो।
29. किसी की चीज का लालच मत करों हसद से बचों, सब्र की आदत डालो
30. कम बोलना, बहुत सोचना और हस्बे जरूरत सोना ईबादत है।
31. मतलब परस्त दोस्त या रिस्तेदारो से कभी वफा की उम्मीद न रखो।
32. जिस काम को तुम अभी तक नही कर पाए यह मत समझो कि वह हो गया।
33. जब बोलना चाहो तो खूब सोच जो कि यह बात कहू कि न कहू बोलने में इस कदर जल्दी न करों जिस तरह सोचने में
34. जो काम आज करना चाहिए उसे कल पे मत छोडो।
35. किसी शख्स को हकीर न जानो वरना तकब्बुर पैदा होगा।
36. बड़े ओहदे वाले आदमी के रूबरू बहुत मुख्तसर बात करों
37. अवामुन्नास (पब्लिक) से इस तरह बात चीत न करो कि बेबाक हो जाये तो उसे हरगिज मायूस न करो
38. अगर किसी हाजत मंद का कोई काम तुम्हारे हाथ या बात से मुम्किन हो जो उसे हरगिज मायूस न करों
39. अगर कोई बेवकूफी की बात तुम से सादिर हो जाए तो उसे हमेशा याद रखों कि आइन्दा यह गल्तियां दोबारा न हों
40. ऐसा मुख्तसर भी न बोलो कि किसी की समझ मे न आये
41. हर रोज रात को जब सोना चाहे तो पहले शुमार कर लिया करों कि आज के

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड करे इस लिंक से
https://archive.org/details/@paigame_aulia_library
हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड TELEGRAM ग्रुप Join करके
https://t.me/Sunni_HindiLibrary

दिन कौन सी गल्तियाँ हुई हैं। मुझ से ताकि दूसरे दिन उन से बच सको।

42. अगर कोई नेकी तुम से हो गई हो तो उस को भूल जाओ। क्योंकि उसका याद रखना गुरूर पैदा करता है।
43. अगर किसी मोमीन का भला होता हो तो बहाने मत करो।
44. दुशमन की भी बुराई मत चाहों अगर हो सके तो ऐसे पर कुछ एहसान कर दो।
45. नेकी करना किसी के साथ ऐसा है कि गोया उस को बनाम उमर अपना गुलाम बनाना है।
46. बुरे आदमी का मुकाबला में नेकी से करना ऐसा है कि गोया उसको एहसान के कैदखाने में हमेंशा के लिये कैद करना।
47. तुम भलाई करके भूल जाओंगे लेकिन जिस के साथ तुम कुछ भला करों वह तुम्हें कभी भी नहीं भूलेगा।
48. जब किसी शख्स से कोई और शख्स बात कर रहा हो तो तुम हरगिज उस के बीच में न बोलों अगर चे तुम वह बगैर पूछे बोल उठता है।
49. अहमक की एक निशानी यह भी है। वह बंगेर पूछे बोल उठता है।
50. अपने माल और अस्बाब को अपने अकारिब से ऐसा छुपा के न रखों कि बाद तुम्हारें मरने के भी उन्हे दस्तयाब न हों
51. मगरूर आदमी को कोइ पसंद नही करता अगर वह बादशाह ही क्यों न हों
52. गीबत किसी की न करों खुसूसन नेक आदमियों की बुराई कभी न करो।
53. जहाँ मजहब होने उसके बर खिलाफ बात न करनी चाहिए अगर खिलाफे शरअ हो तो उस दूर रहना बहतर है।
54. अगर हो सके तो सखावत पसंद रहों खुद बीनी खुद गर्जी और खुशामद से बचों
55, सुस्ती को पास न आने दो यह तनाम खराबियों की जड़ है।
56. बैहूदा, तअना आमेज गुफ्तुगू से परहेज करो, और किसी का मजाक न उड़ाओं
57. किसी आदमी को गैर आदमियों के सामने शरमिन्दा न करों 58. खुदबीनी खुद गर्जी और खुशामद से बचों
59. अगर किसी को तम्बीह करना हो तो गोशे में तन्हा बुलाकर समझा दो ।
60. अगर किसी शख्स ऐबदार हो जैसे लगंडा, लूला, कोताह, गर्दन लांगर या दाइमुल मर्ज तो उसे अपना नौकर न रखो।
61. किसी गैर के नाम का मैसेज हरगिज न पढों ।
62. अगर कही से कोई मैसेज आपके नाम आया हो तो सब काम छोड कर पहले इसकों पढो।
63. जिस वक्त कोई शख्स कुछ लिख रहा हो तो उसको हरगिज न देखो जब वह खुद इजाजत न दे।

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड करे इस लिंक से
https://archive.org/details/@paigame_aulia_library
हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड TELEGRAM ग्रुप Join करके
https://t.me/Sunni_HindiLibrary

64. जो बात मुंह से निकल जाए वह अब तुम्हारे इख्तियार में नही है।
65. अपनी या अपने कम्बे की तारीफ कभी अपने मुंह से न करों
66. मर्दो को औरतों की मुशादेहत नहीं करनी चाहिए।
67. जो जेवर औरतों के लिए खास है मर्दो को चाहिए उस से बचें
68. मर्दो को चाहिए कि वह ऐसा कपड़ा या जेवर न पहने जो औरतो को जेबा दे।
69. जब तक हो सके लड़ाई और झगडा न करों, सुलह करने मे ही हर तरह का अमन है।
70. हर एक काम में जल्दी करना शैतान के तरफ से है।
71. जो शख्स तुम्हारी इज्जत करें तुम उसकी इज्जत जरूर करो।
72. गुस्सा के वक्त जो बात तुम कहना चाहों तो पहले खूब सोच समझ लो कि इस बात से कोई कबाहत तो बर्पा न होगइ।
73. मेहमान के रूबरू किसी पर खफा नही होना चाहिए।
74. मेहमान से कुछ काम न लो बल्कि उस का काम करें
75. किसी का या नुकसान की सूरत में अपनी चेहरे के आसार न बदलों
76. ऐसी आदत इख्तियार न करों कि लोग तुम्हें फुजुल समझे।
77. किसी का झगडा अपने जिम्मा मत लों।
78. तीन चीजें हमेशा अपने साथ रखों, कुछ पैसें, चादर और अंगूठी।
79. तरफदारी वहां द जलील व ख्वार न हो जायें
80. सेहत एक बड़ी नेअमत है उसे जाय न करों
81. शहर के हाकिम हकीम और डॉक्टर से दोस्ती पैदा करों
82. दुनिया में अपने आप को मिस्कीन और मुतावाजेअ बनाये रखों
83. हर वक्त खुदा को पेशे नजर समझों
84. अपने नफ्स पर कहर करते रहों
85. अल्लाह की मख्लूक से इन्साफ करों किसी की तरफदारी या किसी पर जियादती न करो।
86. बुजुर्गों की खिदमत करों– और छोटो पर शफकत करो।
87. मुहताजों से सखावत से पेश आओ। 88. दोस्तों और यारों को नसीहत करते रहों।
89. दुशमनों को गुआफ करों, मुसाफिरों से मुहब्बत से पेश आओं
90. जाहिलों से ब जरूरत बात करों, अगर वह कुछ कहे तो खामोश रहों
91. जो तुम्हारा पेशा हो जहाँ तक हो उसे फरोग दों
92. किसी लालच को मद्दे नजर रख कर इल्म हासिल न करों बल्कि अपना जाहिर

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड करे इस लिंक से
https://archive.org/details/@paigame_aulia_library
हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड TELEGRAM ग्रुप Join करके
https://t.me/Sunni_HindiLibrary

और बातिन संवारों।

93. जाहील की निशानी है कि वह बहोत बोलाता है और बगैर समझे जवाब देता है।

94. जो शख्स एक ही बात बार बार दोहराए मुहब्बत के कौल को न समझे तअस्सुब की बात करे और तहकीक न करें वह जाहिल और अहमक हैं

95. आलिमे बे अमल ऐसा है जैसे अंधे के हाथ में चिराग।

96. जो शख्स किसी की गीबत तुम्हारे सामने करता है वह तुम्हारी गीबत किसी और के सामने भी करता होगा।

97. जब तक जर से काम निकले आपने आप को मुसीबत में डालना चाहिए।

98. न इतना लुत्फ व करम दृकि लोग असीर बन जायें।

99, जालिम हाकिम दुशमन है मुल्क का–ऐसे ही जाहिद बे अमल है दुश्मनें दीन का

100. अमानत में खयानत बहुत बुरी बला है।

101. सब से बडी नसीहत यह है कि बन्दा झूठ न बोले

102. जिस ने अपनी जबान काबू में की उसने कई मसायब अपने इख्तियार में कर लिए।

103. लालच हलाकत का सबब है

104. बेहतर माल वह है जिसे अल्लाह के राम में खर्च किया जाए।

105. जहालत सब से बड़ी मुसीबत है।

106. बुरी सोहबत से बेहतर है कि इन्सान तन्हा रहे।

107. अच्छी किताब वह है जिस के पढने से इन्सान अपना मुहासबा करे अपनी अच्छाईया बुराईया किताब में ढूंड सके, और खुदा की पहचान हो सके।

108. हकीम की आजमाईश गुस्सा के वक्त करें, और शुजाअ (बहादुर) की जंग के वक्त और दोस्त की जरूरत के वक्त

109. खैरात ऐसे करो कि दाएं हाथ से खैरात करो तो बाये हाथ को खबर न हो नैक कामों में साबित कदमी इख्तियार करो ताकि अन्जाम उस का भला हो जो शख्स किसी की बुराई खुश होकर सुन्ता है वह गीबत करने वालों में शुमार होता है।

110. जल्दी का काम नदामत का बाईस, और सोच समझ कर काम करना राहत का बाईस है। जो शख्स आराम की कदर नही करता वह बहुत रंज उठाता है। हर एक बात पर हंसता और हर एक बात से नफरत करना बेवकूफों की खसलत में शुमार होता है।

111. तकदीर के लिखे पर सब्र करना चाहिए (जैसे मौत रिज्क बगैरा)

112. जो शख्स कोशिश करता है वह अपना मतलब जरूर हासिल करता है।

113. कि जो सब्र करता है वह फतह पाता है।

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड करे इस लिंक से
https://archive.org/details/@paigame_aulia_library

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड TELEGRAM ग्रुप Join करके
https://t.me/Sunni_HindiLibrary

114. वक्त बहुत कीमती शैय है कोई घडी उसकी बेकार न जाने दो ।

115. खुदा और मौत को हमेशा याद रखो, और नेकी जो तुम ने की या किसी ने तुम से बुराई की हो,उसे हमेशा भूल जाओ।

116. जो शख्स जबान शीरी और इख्लाक से बात करता है उस से हर कोई होता है।

117. लालच जिल्लत की और बद मिजाजी दुशमनी की कुन्जी है।

118. जब तक इन्सान जिन्दा हुआ, उसे हमेशा अपने इल्म की तरक्की करनी चाहिए।

119. अकलमन्द को एक इशारा काफी होता है, और जाहिल को सजा देने की जरूरत होती है।

120. आजिजी से इज्जत बढ़ती है और तकब्बुर से रुत्बा घटता है।

121. दोस्त से कर्ज लेने मे कभी रंज भी हो जाता है। इसलिए दोस्त से नही लेना चाहिए।

122. कमीने को जब कोई ओहदा मिलता है तो तकब्बुर करता है और जब हाकिम बनता है तो जुल्म करता है।

123. अपने मिजाज को काबू मे रखो इज्जत के काबिल बन जाओगें।

124. अकलमन्द शख्स वह है जो गैरों को मुसीबत जदा को देखकर खुद नसीहत हासिल करता है।

125. अल्लाह की इबादत हर गम का इलाज है।

126. तलवार का जख्म जिस्म पर लगता है और गुनाहो का रूहों पर जो लोगों का शुक्रिया नही कहता वह अल्लाह का शुक्र अदा नही करता

128. मोमिन की निय्यत उसके अमल से बेहतर है।।

129. भूका अगर चे दुशमन भी हो तो उसे भी खाना खिलाना चाहिए।

130. इबादत वह करता है। जिसे खौफ हो खुदा का

131. इन्सानो के लिए बेहतरीन हस्ती उसकी अपनी ईमान वाली माँ है।

132. खुद गर्ज इन्सान से कभी भलाई की उम्मीद न रखो दो मुसलमानों में सुलह करवाना बेहतरीन इबादत है

134. जबान की हिफाजत दौलत की हिफाजत से ज्यादा मुश्किल है

135. वह जिन्दगी बेकार है जो किसी के काम न आसके

136. सब से बड़ी नसीहत मौत है अगर समझो तो

137. जो अपनी आंख को हराम से महफूज रखाता है उसकी आंख को दोनों जहां में सदमा न होगा।

138. अल्लाह तबारक व तआला से गाफिल होना आग में जाने से ज्यादा सख्त तर है

139. वह शब (रात) बेकार है जिस में इबादत न की जाए।

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड करे इस लिंक से
https://archive.org/details/@paigame_aulia_library

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड TELEGRAM ग्रुप Join करके
https://t.me/Sunni_HindiLibrary

140. नेक हमसाया (पड़ोसी) दूर के रिश्तेदार से बेहतर है ।

141. जिन्दगी एक सफर है उसे अच्छी कौफियत से मुकम्मल करो।

142. दिल आजारी सब से बड़ा गुनाह है तकब्बुर करने वाला अपने मुंह के बल गिरता है।

143. औलाद के लिए माँ बाप फिब्ला हैं 8 मुर्शिद (पीर) इस से बढ कर है। 144. अल्लाह की नाफरमानी का अन्जाम निहायत खौफनाक है ।

145. तमाम बुराईयां नफसानी ख्वाहिशात से पैदा होती है

148, वह शख्स नाफरमान है खुदा का, जो एहसान कर के जताए।

149. जब तक किसी गुफ्तगू न हो इसे अपने से हकीर न समझों

तौबा बूढ़े से खूब मगर जवान से खूबतर है

151. जो जन्नत की ख्वाहिश करता वह भलाई की तरफ जल्दी करता है । 152. अहमक (बेवकूफ) की अकल उसकी जबान के पीछे, और अकलमंद की जबान उसकी उकल के पेछे होती है।

153. इन्तेकाम की कुव्वत रखते हुए गुस्से को पी जाना अफजल जहाद है 154. अगर किसी को तुम्हारे बारे में अच्छा ख्याल हो तो उसे अच्छा कर दिखाओं

155. एहसान एक ऐसी नेकी है जिसका अज्र बहुत ज्यादा मिलता है।

156. दूसरो के हालात देख कर नसीहत हासिल करने वाला अकलमंद है।

157. मसायब का मुकाबला सब से और ने अमत की हिफाजत शुक्र से करो।

158, नेअमत का मिलना भी आजमाईश है कि कौन कितना शुक्र गुजार है

159. बुरी आदत पर गालिब आना कमाले इबादत है।

160. अगर आंखे रोशन है तो हर रोज यौमे महशर है

161. नेक लोगों को दुशमनों से भी नफा हासिल होता है

162. मुस्कराहट रूह का दरवाजा खोलती है

163, जिसे अमानत का पास नही उसका ईमान ना मुकम्मल है

164, जिस ने आर जुओ की तवील (लम्बा) किया उसने उम्र को खराब किया

165. उस ख्याल को दिल में न लाओ जो अपना फायदा सोचता है

166. गुस्सा हमेशा हमाकत पे शुरू होकर नदामत (अफसोस) पे खत्म हता है

167. दीनी इल्म ऐसा बादल है जिससे रहमत ही रहमत बरसती है।

168. ईसार (कुरबानी) अफजल तरीन इबादत और बुलंद तरीन सरदारी है

169. दोस्त नुमा दुशमन ज्यादा खतरनाक है

170. आखिरत नेक लोगों की कामियाबी और दुनया बदबख्त लोगो की आरजू है

171. इन्सान सीरत से हसीन है न कि सूरत से

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड करे इस लिंक से
https://archive.org/details/@paigame_aulia_library
हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड TELEGRAM ग्रुप Join करके
https://t.me/Sunni_HindiLibrary

172. जबान की हिफाजत सोने चांदी से बढ़ कर
173. ज्यादा ख्वाहिश वाले का पेट नही भरता
174. जिसने थोड़े पर कनाअत की वह साबिर हो गया
175. अल्लाह की पियारे की आदत का खाना कम सोना और कम बोलना है।
176. इन्सान वह है जिस को शर्म व हया का एहसास दामनगीर होता है ।
177. खुश इख्लाकी रूह में बसने वाली खुशबू है
178. मुहताज को मोहलत देना कोई एहसान नही बल्कि अदल और इन्साफ है।
179. फकीर का एक दिरहम सदका दौलतमंद के लाख दिरहम सदका से बहतर है
180. बेकार बैठने से जिन्दगी की मुशकिलात बढ़ती है
181. तीन चीजों की मुहब्बत मुजिर (नुकसान) है, नफ्स जिन्दगी और माल 182. माल से जिस्मानी सेहत अफजल है, और सेहत से अफजल कल्ब की प्रहेजगारी है।
183. तो दुनया कमाने में मसरूफ है ।और दुनया तुझे यहां से निकालने में सर गरम
184. सब से जियादा सख्त गुनाह वह है। जो नजर में सबसे छोटा है।
185. जिस में अदब नही उस मे बुराइयां ही बुराइयां है।
186. अकलमन्द सोच के बोलता है और बे वकूफ बोल के सोचता है।
187. वह इल्म बेकार है जिस पर अमल न किया जाए।
188. हर नेक काम करने से दिल को सुकून मिलता है ।
189. किसी का मजाक उड़ाना खतरा है।कहीं आप उस मुसीबत में न फंस जाएं
190. नशा अगरचे सांप नहीं मगर सांप से ज्यादा खतरनाक है ।
191. दुनया की रंगीनियों में खोकर अपनी आखिरत बरबाद न करो।
192. दोस्तो पर एहसान करके और दुशमनों की तवाजोअ कर के उन्हें गरवीदह बनाओ।
193. किसी के साथ नेकी करके यह न समझो कि मैं ने एहसान किया बल्कि यह सोचो कि अल्लाह ने मेरे हक बेहतर इरादा फरमाया है।
194. अपने बड़ों की इज्जत करो आप के छोटे आप की इज्जत करेंगे।
195. अल्लाह अज्जा वजल्ल हमारे लिए काफी है और मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हमारे लिए शाफी हैं।
196. नेकी के नाम पर गुनाह मत करो कुछ भी करने से पहले इल्म वालो से पूछ लो।
197. नेकी नहीं कर सकते हो तो गुनाह भी मत करो ।
198. इबादत आदत से नहीं बल्कि मोहब्बत से करो।
199. अल्लाह से डरो नहीं तो गैर अल्लाह से डरना पड़ेगा।
200. जिन्दगी में ईमान वालो के हक में कुछ अच्छा कर के मरो। ताकि मरने के बाद काम आएगा।

हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड करे इस लिंक से
https://archive.org/details/@paigame_aulia_library
हिन्दी PDF किताबें डाउनलोड TELEGRAM ग्रुप Join करके
https://t.me/Sunni_HindiLibrary